पीआरजीआई से प्रदत्त पंजीयन संख्या-UAHIN/25/A3123

www.parvatprerna.com

सांध्य दैनिक

पर्वत प्रेरणा

निष्पक्ष एवं निर्भीकता के साथ सम्पूर्ण राज्य का एक संस्करण

वर्ष : 2 | अंक : 260 हल्द्वानी | शनिवार , 25 अप्रैल 2026 | मूल्य 1.00 रुपये | पृष्ठ: 8

एक नजर

चारधाम यात्रा में सुरक्षा सख्त, नियम तोड़ने वालों पर पुलिस का शिकंजा

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा मार्गों पर लगातार चेकिंग अभियान चलाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सिंगोटी क्षेत्र में यातायात पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ओवरस्पीड और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। एक निजी वाहन में अवैध हूटर पाए जाने पर उसे जब्त कर वाहन स्वामी के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग, नशे में ड्राइविंग और बाइक स्टंट जैसी खतरनाक गतिविधियों से बचने की सख्त हिदायत दी और सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा का संदेश दिया। वहीं बड़कोट पुलिस ने 35 व्यक्तियों का सत्यापन किया। सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ 20 चालान किए गए, जबकि नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने पर 14 चालान काटे गए। कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस ने विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र में रह रहे साधुओं का भी सत्यापन किया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे। पुलिस प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें। प्रशासन का मानना है कि सभी के सहयोग से ही यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सफल बनाया जा सकता है।

हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित

अल्मोड़ा। विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर (नैनीताल) द्वारा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विवेकानंद इंटर कॉलेज, रानीधारा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हाईस्कूल में 232 में से 229 छात्र उत्तीर्ण (98.2 प्रतिशत) रहे, जबकि इंटरमीडिएट में 188 में से 175 छात्र सफल (93.94 प्रतिशत) हुए। हाईस्कूल में 86 छात्रों ने ससम्मान तथा इंटर में 47 छात्रों ने ससम्मान परीक्षा पास की। विद्यालय के 10 छात्रों ने प्रदेश मेरिट सूची में स्थान बनाया—इंटरमीडिएट के 6 और हाईस्कूल के 4 छात्र शामिल हैं। प्रधानाचार्य श्री आलम सिंह उनियाल ने सफलता पर खुशी जताते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने बताया कि कक्षा 11 में प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से शुरू होगी और नियमित कक्षाएं भी इसी दिन से संचालित होंगी।

आईटीआई भर्ती पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

370 पदों पर भर्ती जारी, एनसीआईसी योग्यता अनिवार्य

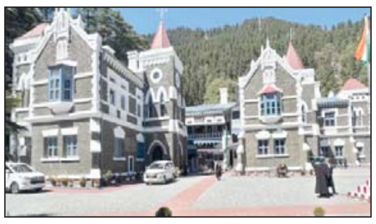

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में अनुदेशकों के 370 पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। अदालत ने इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से साफ इनकार करते हुए संबंधित सभी रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिल्प अनुदेशक प्रमाणपत्र (एनसीआईसी/सीआईटीएस) इस भर्ती के लिए अनिवार्य योग्यता बनी रहेगी। न्यायमूर्ति रवींद्र मैथानी की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया उत्तराखंड राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (अनुदेशक) सेवा नियमावली, 2003 के तहत संचालित हो रही है। इस नियमावली में वर्ष 2022 में संशोधन करते हुए एनसीआईसी प्रमाणपत्र को अनिवार्य शैक्षिक योग्यता के रूप में शामिल किया गया था। इसलिए चयन प्रक्रिया उसी के अनुरूप आगे बढ़ेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया था कि प्रशिक्षण महानिदेशालय, भारत सरकार द्वारा जून 2023 में जारी कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से इस योग्यता में ढील दी गई थी। हालांकि अदालत ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया और कहा कि जब तक राज्य सरकार अपनी सेवा नियमावली में औपचारिक संशोधन नहीं करती, तब तक केंद्र के ऐसे निर्देश स्वतः लागू नहीं माने जा सकते। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि एक बार भर्ती विज्ञापन जारी हो जाने के बाद योग्यता से जुड़े मानकों में बदलाव करना न्यायसंगत नहीं है। चूंकि इस भर्ती का विज्ञापन 16 फरवरी 2024 को जारी किया गया था, इसलिए उसी समय लागू नियमों के अनुसार ही पूरी चयन प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। सुनवाई के दौरान उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने अदालत को बताया कि वह किसी भी स्थिति में सेवा नियमों के विपरीत भर्ती विज्ञापन जारी नहीं कर सकता। आयोग ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और नियमानुसार आगे बढ़ाई जा रही है। मामले की सुनवाई में यह महत्वपूर्ण तथ्य भी सामने आया कि उत्तराखंड में अनुदेशकों के कुल 1386 स्वीकृत पदों में से केवल 373 पदों पर ही नियमित नियुक्तियां हैं। यानी बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने आयोग को निर्देश दिए थे कि भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की ढील दिए बिना इसे शीघ्र पूरा किया जाए। हाईकोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट संदेश गया है कि भर्ती प्रक्रियाओं में नियमों की स्थिरता और पारदर्शिता सर्वोपरि है। साथ ही यह भी स्थापित हुआ कि राज्य सेवा नियमावली में संशोधन के बिना केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश स्वतः प्रभावी नहीं होते। यह निर्णय न केवल वर्तमान भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि भविष्य की भर्तियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण कानूनी मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

सिडकुल की वी गार्ड कम्पनी श्रमिकों का जोरदार हंगामा

पुलिस पर लगाया लाठी चार्ज का आरोप ,एक महिला श्रमिक बेहोश, पुलिस ने श्रमिकों को खदेड़ा

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर धरने पर बैठी महिला श्रमिकों ने आज जमकर हंगामा काटा उन्होंने कम्पनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनपर लाठीचार्ज किया है जिसमें एक महिला श्रमिक बेहोश हो गई। इस दौरान श्रमिकों और फैक्ट्री प्रबंधन के बीच वार्ता हुई लेकिन वह नाकाम साबित हुई। जिस पर श्रमिकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। मामला बढ़ता देख पुलिस ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। सिडकुल की सेक्टर 5 में वी-गार्ड कंपनी है। जहां सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष श्रमिक कार्य करते हैं। बीते दिवस सभी श्रमिकों ने कंपनी गेट पर धरना दे दिया था। उनकी मांग थी कि उनके वेतन में वृद्धि की जाए वह कई वर्षों से यहां काम कर रहे हैं लेकिन उनका वेतनमान बढ़ाया नहीं गया। उनका कहना था कि उनका वेतन 20000 प्रतिमाह किया जाए साथ ही श्रमिकों का आरोप था कि कंपनी द्वारा जो भोजन दिया जाता है वह बेहद दूषित होता है और कई बार उसमें कीड़े भी निकल आते हैं जिसकी शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं होती। इसी को लेकर वह धरना दे रहे थे जो धरना आज सुबह से फिर शुरू कर दिया गया था। महिला और पुरुष श्रमिकों का आरोप है की पुलिस ने उनकी आवाज दबाने के लिए उन पर बल प्रयोग किया। जिससे एक महिला श्रमिक बेहोश हो गई। जिससे वहां अफरा तफरी फैल गई और देखते-देखते हंगामा और तेज हो गया। महिला श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि कंपनी में एक ठेकेदार है जो उनसे अभद्रता करता है उनकी मांग थी कि उसको बाहर बुलाया जाए तभी बात की जाएगी। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। श्रमिकों और फैक्ट्री प्रबंधन की काफी देर तक वार्ता होती रही लेकिन वह सफल नहीं हो सकी । जिस पर श्रमिकों का रोष बढ़ गया और उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी जिस पर पुलिस ने सभी श्रमिकों को बलपूर्वक वहां से खदेड दिया।

शांतिपुरी स्कूल का हाई स्कूल रिजल्ट 96 प्रतिशत

शांतिपुरी। राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शांतिपुरी का हाई स्कूल परिणाम 96 प्रतिशत रहा। 28 में से 27 छात्राएं उत्तीर्ण हुईं।

14 छात्राएं प्रथम, 11 द्वितीय और 2 तृतीय श्रेणी में पास हुईं। हर्षिता जोशी (83.4प्रतिशत) प्रथम, वैष्णवी (83.2प्रतिशत) द्वितीय और कोमल (78.4प्रतिशत) तृतीय स्थान पर रहीं। प्रधानाचार्य बृजेश गुप्ता व डॉ. गणेश उपाध्याय ने छात्राओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

उत्तराखंड बोर्ड परिणाम: हाईस्कूल में अक्षिता, इंटर में गीतिका और सुशीला ने किया प्रदेश टॉप

प्रदेश में फिर मारी लड़कियों ने बाजी

देहरादून। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस वर्ष हाईस्कूल का कुल परिणाम 92.01 प्रतिशत तथा इंटरमीडिएट का 85.11 प्रतिशत रहा। हाईस्कूल परीक्षा में रामनगर स्थित एमपी हिंदू इंटर कॉलेज की छात्रा अक्षत गोपाल ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। अक्षत ने 500 में से 491 अंक प्राप्त कर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा में दो छात्राओं ने संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान प्राप्त किया। बागेश्वर की गीतिका पंत और उधम सिंह नगर की सुशीला मेहंदीरत्ता ने 490 अंक हासिल कर प्रदेश में प्रथम स्थान साझा किया। इस वर्ष के परिणामों में छात्राओं का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है, जिससे प्रदेश में शिक्षा के स्तर और प्रतिस्पर्धा दोनों का सकारात्मक संकेत मिलता है।

सीएम धामी ने बोर्ड परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों को दी बधाई

देहरादून। पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम, अनुशासन और अटूट संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसी लगन और आत्मविश्वास के साथ सभी विद्यार्थी अपने सपनों को साकार करते हुए जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। सीएम धामी ने उन विद्यार्थियों का भी उत्साहवर्धन किया, जिन्हें इस बार अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि ऐसे छात्र-छात्राएं हतोत्साहित न हों, बल्कि धैर्य, सकारात्मक सोच और सतत प्रयास के साथ आगे बढ़ें,सफलता अवश्य मिलेगी। मुख्यमंत्री ने परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के परिजनों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सम्पादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: प्रगति की रफ्तार या संकट का संकेत?

मानव इतिहास में तकनीकी प्रगति हमेशा दोधारी तलवार साबित हुई है। जिस तरह औद्योगिक क्रांति ने विकास के नए आयाम स्थापित किए, उसी तरह उसने सामाजिक असमानताओं और पर्यावरणीय संकटों को भी जन्म दिया। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसी मोड़ पर खड़ी है, जहाँ वह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधा और गति दे रही है, लेकिन साथ ही गंभीर नैतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रश्न भी खड़े कर रही है। हाल के समय में पॉप लिओ की चेतावनी ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। उनका कहना है कि यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग नैतिक सीमाओं से बाहर हुआ, तो यह समाज में भय, विभाजन और हिंसा को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं, बल्कि उस वैश्विक चिंता का प्रतिबिंब है, जो तकनीक के अनियंत्रित विस्तार को लेकर सामने आ रही है। आज एआई केवल एक उपकरण नहीं रह गया है, बल्कि यह निर्णय लेने और विचारों को प्रभावित करने की क्षमता रखने वाली शक्ति बन चुका है। सोशल मीडिया एल्गोरिद्म से लेकर वित्तीय प्रणालियों तक, इसका प्रभाव गहराई से महसूस किया जा रहा है। ऐसे में यदि इसके आधारभूत डेटा या एल्गोरिद्म पक्षपाती हों, तो यह सामाजिक असमानताओं को और बढ़ा सकता है। साइबर अपराध के क्षेत्र में एआई का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है। डीपफेक तकनीक, आवाज की नकल और स्वचालित धोखाधड़ी के माध्यम से आम नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। एक फोन कॉल या वीडियो के जरिए किसी व्यक्ति को ठग लेना अब असंभव नहीं रहा। यह स्थिति केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में विश्वास की नींव को कमजोर कर रही है।

इसके अतिरिक्त, पर्यावरणीय प्रभाव भी चिंता का विषय है। बड़े डेटा केंद्रों की ऊर्जा खपत और खनिज संसाधनों का अत्यधिक दोहन यह संकेत देता है कि तकनीकी विकास की कीमत प्रकृति को चुकानी पड़ रही है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सकारात्मक पहलुओं को नकारा नहीं जा सकता। चिकित्सा क्षेत्र में रोगों की पहचान, शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने की सुविधा और आपदा प्रबंधन में त्वरित निर्णय ये सभी इसके महत्वपूर्ण योगदान हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अनैतिक उपयोग में है। समाधान स्पष्ट है, लेकिन सरल नहीं। सरकारों को प्रभावी और सख्त नियमन लागू करना होगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। तकनीकी कंपनियों को अपने उत्पादों में नैतिकता को प्राथमिकता देनी होगी। वहीं, नागरिकों को भी डिजिटल रूप से जागरूक होना होगा, ताकि वे सूचना के भ्रमजाल में न फंसें। यह समय केवल तकनीकी विकास का नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्संतुलन का भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ा गया, तो यह मानवता के लिए वरदान साबित हो सकती है। अन्यथा, यह वही शक्ति बन सकती है, जो प्रगति के बजाय संकट का संकेत बन जाए।

जाम से मुक्ति के लिए सड़कों पर चला निगम का पीला पंजा

सड़कों के चौड़ीकरण और मिनी बाईपास के लिए हुआ व्यापक सर्वे

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रूद्रपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा रुद्रपुर के कायाकल्प के लिए की गई ऐतिहासिक घोषणाओं को धरातल पर उतारने की कवायद अब तेज हो गई है। महापौर विकास शर्मा और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने प्रशासन और भारी पुलिस बल के साथ शहर के उन तमाम क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया, जहाँ बड़े विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इस दौरान जहाँ एक ओर भविष्य की सड़कों का खाका खींचा गया, वहीं दूसरी ओर विकास की राह में रोड़ा बन रहे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नगर निगम का कड़ा रुख भी देखने को मिला। सड़कों को जाम मुक्त करने की दिशा में नगर निगम ने किच्छा बाईपास और गंगापुर रोड पर बड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध खोखे और अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटाकर सामान जब्त कर लिया।महापौर विकास शर्मा नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डे ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और पुलिस बल सहित लाव लस्कर के साथ किच्छा बाईपास मार्ग खेड़ा पहुंचे। यहां सड़क पर किये गये अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इसके साथ ही गंगापुर रोड पर भी भी अतिक्रमण हटाया गया। टीम ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी। महापौर ने कहा कि सड़कों पर अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जीरो टॉलरेंस के तहत अतिक्रमण हटाया जायेगा। खेड़ा के बाद महापौर ने संयुक्त टीम के साथ भूरारानी मार्ग और अटरिया चौक से इंदिरा कालोनी तक प्रस्तावित मिनी बाईपास का भी निरीक्षण कर सर्वे किया और अतिक्रमण चिन्हित किये। उन्होंने अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण और नई सड़क के प्रस्तावित कार्य के लिए जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान महापौर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा रुद्रपुर के विकास के लिए की गई ऐतिहासिक छह घोषणाओं को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इसी के तहत स्थलीय निरीक्षण और सर्वे किया गया है, कुछ अतिक्रमण हटाने के साथ ही जहां जहां अतिक्रमण है उसे चिन्हित किया गया है और अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी भी दी गयी है। महापौर ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शहर के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण मांगे रखी थी, जिनकी मुख्यमंत्री धामी ने सार्वजनिक घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पूरा करने के लिए अब कवायद तेज हो गयी है। जिला प्रशासन ने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए संबंधित विभागों से तत्काल प्रस्ताव मांगे हैं। इसी लिए व्यापक सर्वे किया गया है इसके बाद प्रस्ताव जिला प्रशासन के माध्यम से शासन को प्रेषित किया जायेगा।

महापौर ने बताया कि सीएम की घोषणाओं में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए दो बड़ी सड़कों के चौड़ीकरण और एक मिनी बाईपास के निर्माण की योजना है। अटरिया चौक से इंदिरा कॉलोनी तक दशकों से बंद पड़ी सड़क को खोलकर मिनी बाईपास बनाया जाना है इसका निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। यह मार्ग शहर के लिए किसी लाइफलाइन से कम नहीं होगा और मुख्य मार्गों पर दबाव कम करेगा। वहीं भूरारानी रोड और गंगापुर रोड के चौड़ीकरण की जिम्मेदारी भी लोनिवि को दी गई है। ये दोनों सड़कें अब डिवाईर युक्त बनेंगी। इससे हजारों की आबादी को जाम से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक शिव कॉरिडोर की स्थापना है। मानसखंड कॉरिडोर के अंतर्गत पर्यटन विभाग गोलज्यू मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर और नीलकंठ धाम को जोड़कर एक भव्य आध्यात्मिक केंद्र विकसित करेगा। यह कॉरिडोर न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटन मानचित्र पर रुद्रपुर को एक विशिष्ट पहचान दिलाएगा।

इसके लिए पर्यटन विभाग से विस्तृत ड्राफ्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके अलावा खेड़ा में अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि पर पर्यावरण मित्रों के लिए आधुनिक आवासों का निर्माण किया जाना है इसके लिए भी सीडीओ ने नगर निगम से जल्द विस्तृत प्रस्ताव मांगा है। इससे दशकों से सेवा में जुटे पर्यावरण मित्रों का अपना घर होने का सपना पूरा होगा। महापौर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का रुद्रपुर के प्रति विशेष लगाव है।

उन्होंने कहा रुद्रपुर की इन जटिल और पुरानी मांगों को उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा था, जिन्हें उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर सार्वजनिक घोषणा की थी। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में रूद्रपुर आज विकास के स्वर्ण युग में है। महापौर ने विश्वास जताया कि ये प्रोजेक्ट रुद्रपुर की दशा और दिशा दोनों बदल देंगे और शहर को आधुनिकता के साथ-साथ अपनी संस्कृति से भी जोड़कर रखेंगे।

साइबर ठगी का मास्टरमाइंड हैदराबाद से गिरफ्तार

7 मामलों में वांछित था अभियुक्त कोथरोजू नेगी

पिथौरागढ़। 19 लाख की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड कोथरोजू गणेश को थाना जाजरदेवल पुलिस ने तेलंगाना से गिरफ्तार किया है। दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को प्रवीण सोनबाजी चौरे, निवासी नागपुर (महाराष्ट्र), हाल निवासी जाजरदेवल द्वारा थाना जाजरदेवल में तहरीर दी गई कि उनके साथ टेलीग्राम के माध्यम से अधिक लाभ का लालच देकर विभिन्न तिथियों में कुल 18,96,866 रुपए की ठगी की गई। तहरीर के आधार पर थाना जाजरदेवल में धारा 318 बीएनएस के तहत अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ द्वारा साइबर सेल टीम एवं थाना जाजरदेवल पुलिस को अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी एवं आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। थानाध्यक्ष मनोज पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम तथा साइबर सेल प्रभारी नीरज भाकुनी के नेतृत्व में साइबर/सर्विलांस टीम द्वारा तकनीकी एवं मैनुअल इनपुट के आधार पर अभियुक्त की पहचान की गई, जो जिला हैदराबाद (तेलंगाना) में छिपा हुआ था। अभियुक्त पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था, किन्तु पुलिस की सतर्कता एवं कुशल रणनीति के चलते अभियुक्त कोथरोजू गणेश, निवासी मानकामकोटा, जिला करीमनगर, हाल निवासी रूम नं. 202, एसआर टावर, जिला हैदराबाद (तेलंगाना) को गिरफ्तार किया गया। उक्त प्रकरण में संलिप्त अन्य अभियुक्तों हर्षथली, निवासी मधूनूर, जिला धर्मापुरी (तेलंगाना) तथा अजिदा, निवासी जगतायल टाउन (तेलंगाना) को न्यायालय से प्राप्त नोटिस तामील कराए गए हैं। अभियुक्त कोथरोजू गणेश के विरुद्ध एनसीआरपी पोर्टल पर विभिन्न राज्यों में धोखाधड़ी के कुल 07 मामले दर्ज पाए गए हैं। अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस सराहनीय कार्य हेतु पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ द्वारा पुलिस टीम को 2500 रुपए नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी वड्डा उपनिरीक्षक आशीष रावत, कांस्टेबल विजेंद्र यादव, कांस्टेबल ललित कांडपाल, सर्विलांस टीम के अपर उपनिरीक्षक हेम चंद्र सिंह, कांस्टेबल कमल तुलेरा शामिल थे।

आवश्यकता है

हल्द्वानी शहर में तेज तर्रार रिपोर्टर चाहिए, वेतन योग्यतानुसार, इसके साथ ही नैनीताल, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, बाजपुर, रामनगर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार व ऋशिकेष आदि स्थानों पर संवाददाताओं व मार्केटिंग के लिए अनुभवी युवक-युवतियों की शीघ्र आवश्यकता है शीघ्र सम्पर्क करें अथवा अपना बायोडाटा मेल करें।

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

मोबा. 9927213408, 8279487735

आपका सुझाव - हमारी दिशा

प्रिय स्नेही जन

इस कॉलम के माध्यम से आप हमें यह बता सकते हैं कि 'पर्वत प्रेरणा' में आप क्या देखना चाहते हैं। कौन से मुद्दे उठाए जाएं क्या बेहतर हो, हम आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे और आपके नाम के साथ उन्हें प्रकाशित करेंगे।

हमें लिखें,भेजें ।

editordaillyparvatprerna@gmail.com

WhatsApp:9927213408

सम्पादकः सुरेश पाठक

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी **सुरेश पाठक** द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिंटिंग प्रेस भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी से मुद्रित तथा साईं कालोनी नियर साईं मन्दिर, बजूनिया हल्दू, पो. कठघरिया, हल्द्वानी नैनीताल, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मो. 9927213408, 8279487735

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

त्रिशूल चौक से हटाये जायेंगे अवैध कब्जाधारी: महापौर

तीन सदस्यीय कमेटी जांच कमेटी करेगी आपत्तियों की सुनवाई

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। त्रिशूल चौक पर लगने वाले जाम से जनता को निजात दिलाने के लिए न्यायालय के आदेश पर प्रशासन ने आगे की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। महापौर विकास शर्मा ने स्पष्ट किया है कि विकास कार्यों और सड़कों के चौड़ीकरण की राह में आने वाले किसी भी अतिक्रमण को बख्शा नहीं जाएगा। त्रिशूल चौक के समीप स्थित दुकानों को लेकर उपजे विवाद पर महापौर ने कहा कि प्रशासन पूरी पारदर्शिता के साथ न्यायालय के आदेशों का पालन कर रहा है।जानकारी देते हुए महापौर विकास शर्मा ने बताया कि त्रिशूल चौक के पास कुछ दुकानें नगर निगम की हैं, तो कुछ पर अतिक्रमणकारियों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। जिला प्रशासन, लोनिवि और नगर निगम ने संयुक्त रूप से इन कब्जाधारकों को नोटिस जारी किए थे। इन नोटिसों के खिलाफ कुछ दुकानदार माननीय न्यायालय की शरण में गए थे।

महापौर ने बताया कि न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी को तीन वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाने का आदेश दिया है। महापौर ने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने दुकानदारों को एक सप्ताह का समय दिया है ताकि वे कमेटी के सामने अपना पक्ष और भूमि से संबंधित साक्ष्य रख सकें। उन्होंने कहा हमने पहले भी कहा था कि यदि किसी के पास अपनी संपत्ति के वैध कागजात हैं, तो वे दिखाएं। इस पूरी प्रक्रिया के लिए 15 दिन का समय नियत किया गया था, यदि जांच में दस्तावेज सही नहीं पाए जाते, तो अतिक्रमण को तत्काल ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। महापौर विकास शर्मा ने जन हित को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि त्रिशूल चौक पर वर्तमान में भारी जाम की स्थिति रहती है, जिससे आम जनता को हर दिन जूझना पड़ता है। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए चौक का कट खोलना और सड़कों का चौड़ीकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने कार्रवाई पर कोई 'स्टे' या रोक नहीं लगाई है, बल्कि केवल पक्ष रखने का मौका दिया है। महापौर ने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर शहर के विकास को रोकना न्यायोचित नहीं है। 15 दिनों की निर्धारित अवधि और कमेटी की रिपोर्ट के बाद नगर निगम अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने शहरवासियों को भरोसा दिलाया कि रुद्रपुर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त और सुगम बनाना उनकी प्राथमिकता है और इस दिशा में बिना किसी दबाव के कार्य जारी रहेगा।

श्रमिकों के समर्थन में पहुंचे पियूष जोशी हिरासत में, पुलिस पर दुर्व्यवहार के आरोप

हल्द्वानी। पहाड़ी आर्मी संगठन के क्रांतिकारी नेता पियूष जोशी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने और कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना के बाद संगठन के सदस्य उनकी कुशलक्षेम जानने के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति अब सामान्य बताई है।

पियूष जोशी ने बताया कि वह मदरसन फैक्ट्री में वेतन और भत्तों में वृद्धि की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे श्रमिकों के समर्थन में पहुंचे थे। उनका आरोप है कि मौके पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए डर का माहौल बनाया और धक्का-मुक्की की। उन्होंने यह भी कहा कि एक पुलिसकर्मी द्वारा उनके साथ अभद्रता करते हुए गला दबाने का प्रयास किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि अगले दिन सुबह करीब 5 बजे पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। आरोप है कि उन्हें लगभग 24 घंटे तक हिरासत में रखा गया और विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जोशी के अनुसार, हिरासत के दौरान उनके साथ अनुचित व्यवहार किया गया, हालांकि बाद में उन्हें घर छोड़ दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद पहाड़ी आर्मी संगठन ने पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि जब देश में श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए श्रम कानून मौजूद हैं और सरकार स्वयं जागरूकता अभियान चलाती है, तो श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना अपराध कैसे हो सकता है। संगठन ने यह भी मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि कहीं श्रम कानूनों का उल्लंघन हो रहा है तो संबंधित फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। साथ ही सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया कर्मियों और जनहित में आवाज उठाने वालों के साथ कथित दुर्व्यवहार पर सख्त कदम उठाने की मांग की गई है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ग्राम्य विकास की योजनाओं की समीक्षा की मंत्री चौधरी ने

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रूद्रपुर। ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम मंत्री भरत सिंह चौधरी ने विकास भवन सभागार में ग्राम्य विकास के विभिन्न योजना कार्यो की समीक्षा की। उन्होने ग्राम्य विकास के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में सभी योजनाओं में अच्छे कार्य हो रहे है लेकिन और बेहतर कार्य करने की हमेशा सम्भावना रहती है। मंत्री ने ग्राम्य विकास की अमृत सरोवर, ग्रोथ सेंटर, वीबीजी राम जी, ग्रामोत्थान रिप योजना, एनआरएलएम, लखपति दीदी, डेरी, मत्स्य पालन योजनाओं के साथ ही उद्योग विभाग की सीएम स्वरोजगार, पीएम रोजगार सृजन योजना, लघु सूक्ष्य, मध्यम उद्यम योजना (एमएसएमइ) योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होने कहा कि महिलाओं के आजीवका संवर्धन हेतु महिला समूहों को जिस क्षेत्र में वे कार्य कर रहे है उसकी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाय ताकि वे अपने कार्यो को और बेहतर तरीके से कर सकें। उन्होने महिला समूहों द्वार उत्पादित उत्पादों का वैल्यू एडिशन व मार्केटिंग पर कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होने स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को आनलाईन मार्केटिंग के साथ ही हाउस आफ हिमालया के माध्यम से मार्केटिंग कराने के निर्देश भी दिये। उन्होने कहा कि महिला समूहो को सिलाई का प्रशिक्षण देते हुए उनके माध्यम से स्कूली बच्चों, पुलिस, पीआरडी ड्रेस सिलाई करायी जाये ताकि उनकी आजीविका संवर्धन हो सकें। उन्होने जसपुर में गादी बोर्ड जो भी परिसम्पत्ति का चिन्हिकरण करते हुए उसमे कार्य योजना का प्रस्ताव बनाने के निर्देश भी दिये। बैठक में विधायक शिव अरोरा,सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, राजेश बजाज, पीडी डीआरडीए हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार व सभी खण्ड विकास अधिकारी आदि मौजूद थे।

विवेकानंद इंटर कॉलेज का शानदार परीक्षा परिणाम

अल्मोड़ा। विवेकानंद इंटर कॉलेज, रानीधारा ने उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हाईस्कूल में 232 छात्रों में से 98.2% और इंटरमीडिएट में 188 छात्रों में से 93% छात्र सफल रहे। विद्यालय के कुल 10 छात्रों ने प्रदेश मेरिट सूची में स्थान बनाया, जिनमें हाईस्कूल के 4 और इंटरमीडिएट के 6 छात्र शामिल हैं। हाईस्कूल में आरुषि बनौला ने 477 अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य ने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को दिया। विद्यालय का यह परिणाम क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बना हुआ है।

बोर्ड परीक्षाफल

बोर्ड का आया है परिणाम,
किसी के कम, किसी के ज्यादा नाम।
न कम पर होना परेशान,
न ज्यादा पर करना अभिमान।
ये तो बस मेहनत का हिस्सा है,
जीवन इससे कहीं बड़ा किस्सा है।
अंकों से नहीं होती पहचान,
इनसे आगे है अपनी उड़ान।
हिम्मत कभी न हारना तुम,
निराशा को न अपनाना तुम।
चलते रहना, पढ़ते रहना,
गलतियों से भी सीखते रहना।
सफलता का मतलब अंक नहीं,
ये मंजिल का बस एक रास्ता सही।
राहें और भी हैं हजार,
हर मोड़ पर खुलता नया द्वार।
जिन्दगी है बड़ी, विशाल यहाँ,
छोटी बातों से डरना कहाँ।
हौसला रखो, बढ़ते जाओ,
अपने सपनों को सच बनाओ।

– प्रेम प्रकाश उपाध्याय नेचुरल उत्तराखंड

श्रीनगर बनेगा पहाड़ का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल, 150 टन प्लांट का ट्रायल शुरू

श्रीनगर गढ़वाल, अंकित उनियाल।

श्रीनगर से एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है, जहां अब कूड़ा समस्या नहीं बल्कि कमाई का जरिया बनने जा रहा है। नगर निगम श्रीनगर ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को नई दिशा देते हुए 150 टन प्रतिदिन क्षमता वाली आधुनिक ट्रॉमल मशीन का ट्रायल शुरू कर दिया है, जो शहर को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।शहर से एकत्रित कूड़ा अब ट्रेंचिंग ग्राउंड तक लाया जाएगा, जहां इस अत्याधुनिक मशीन के जरिए गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग किया जाएगा। गीले कचरे जैसे रसोई अपशिष्ट और सब्जियों से जैविक खाद तैयार की जाएगी, जबकि सूखे कचरे जैसे प्लास्टिक, गत्ता, थर्माकोल और कपड़े को रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाएगा। इससे आगे चलकर उपयोगी उत्पाद जैसे गमले, खिलौने और अन्य घरेलू सामान भी तैयार किए जा सकेंगे। इस प्लांट का शुभारंभ मेयर आरती भंडारी और नगर आयुक्त नुपुर वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान नगर निगम के कई अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। मेयर आरती भंडारी ने इसे श्रीनगर के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं नगर आयुक्त नुपुर वर्मा ने बताया कि ट्रॉमल मशीन के जरिए कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा, जिससे संसाधनों का पुन: उपयोग भी सुनिश्चित होगा।नगर निगम की यह पहल न केवल शहर को साफ-सुथरा बनाएगी, बल्कि आने वाले समय में निगम की आय का भी नया स्रोत बनेगी। रीसाइक्लिंग और जैविक खाद के उत्पादन से राजस्व बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना श्रीनगर को पहाड़ के पहले आधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महिला स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश के ट्रायल जनपद स्तर पर कराने का अनुरोध

लोहाघाट। प्रदेश में विभिन्न स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया किधर ट्रायल जनपद स्तर पर करने का अनुरोध। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया संयोजक एवं उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी राजू गड़कोटी ने लोहाघाट में बन रहे महिला स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ किए जाने पर माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कालेज की स्थापना एवं प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने से नोनीहालों में खेल के प्रति जोश और उमंग जागा है। इसी क्रम में गड़कोटी ने मुख्यमंत्री को अनुरोध पत्र भेजते हुए बताया है कि ग्रामीण क्षेत्र के नोनिहाल प्रवेश प्रक्रिया में शामिल तो हो जाते हैं लेकिन आर्थिक अभाव के कारण ट्रायल हेतु देहरादून नहीं जा पाते जिससे योग्य होने के बावजूद प्रवेश पाने से वंचित रह जाते हैं। गड़कोटी ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने वाले नोनिहालों का ट्रायल जनपद स्तर पर किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को इन उच्च संस्थानों में प्रवेश मिल सकेगा।

बच्चों की लड़ाई में बड़ों के बीच मारपीट

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। बच्चों के बीच हुई मामूली कहासुनी ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। बच्चों की लड़ाई के बाद उनके परिजन आपस में भिड़ गए और मामला मारपीट तक पहुंच गया।

जानकारी के अनुसार, बलीनगर निवासी आमना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका नाती पड़ोस के बच्चे के साथ खेल रहा था। इसी दौरान दोनों बच्चों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि जब वह बीच-बचाव करने पहुंची तो पड़ोसी रशीद और उसकी पत्नी रिफा ने उसके साथ बेल्ट और लात-घूंसों से मारपीट की।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला योजना में प्रभारी मंत्री ने 5961 लाख के परिव्यय को दी स्वीकृति

विकास कार्यों को मिलेगी गति, जनहित आधारित प्राथमिकताओं पर जोर

बागेश्वर, गोविन्द मेहता। जिले के प्रभारी मंत्री राम सिंह कैड़ा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में वार्षिक जिला योजना की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद का कुल 5961 लाख रुपये का विभागवार परिव्यय निर्धारित करते हुए कार्ययोजना को अनुमोदित किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे द्वारा प्रभारी मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर औपचारिक स्वागत किया गया। बैठक में समस्त विभागों द्वारा प्रस्तावित जिला योजना के अंतर्गत अपने-अपने विभागों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत करते हुए निर्धारित परिव्यय के उपयोग एवं प्रस्तावित कार्यों की रूपरेखा से अवगत कराया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक योजनाओं को जिला योजना में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि समन्वित प्रयासों एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली के माध्यम से ही जनपद को विकास की अग्रिम पंक्ति में लाया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रस्तावित कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक से पूर्व प्रभारी मंत्री कैड़ा ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा महिला समूहों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। वही प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित योजनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए जनसमस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर बागेश्वर विधायक पार्वती दास, कपकोट विधायक सुरेश गाड़िया, दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभा गड़िया, गरुड़ प्रमुख किशन सिंह बोरा, कपकोट प्रमुख भावना शाही,बागेश्वर शोभा देवी, पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, कपकोट नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी, गरुड़ पंचायत अध्यक्ष अनिता वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्न,भाजपा जिला महामंत्री घनश्याम जोशी व संजय परिहार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी दिनेश रावत सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गौर स्वागतं व लोहुमी का भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर घर पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

गरुड़, दिनेश नेगी। विकासखंड के भेटा गांव ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गांव के विनोद लोहुमी के पुत्र गौरव लोहुमी भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। गौरव लोहुमी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बीएलएम एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हल्द्वानी से प्राप्त की। वर्ष 2020 में उनका चयन एनडीए में हुआ। वर्ष 2023 में उन्होंने एनडीए, पुणे से पास आउट किया। इसके बाद 2024 में एयर फोर्स एकेडमी, हैदराबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर फ्लाइंग ब्रांच में बतौर पायलट भारतीय वायुसेना में कमीशन हासिल किया। एयरफोर्स में अधिकारी बनने के बाद जब गौरव पहली बार अपने घर पहुंचे तो क्षेत्रवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर गौरव ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन से पढ़ाई की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। गौरव के पिता विनोद लोहुमी आईटीबीपी से सेवानिवृत्त हैं, जबकि माता निर्मला लोहुमी गृहिणी हैं। उनके छोटे भाई वर्तमान में हल्द्वानी में बीसीए की पढ़ाई कर रहे हैं। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य जनार्दन लोहुमी, पूर्व प्रधान कृपाल लोहुमी, दिनेश चंद्र लोहुमी, अनिल लोहुमी, पीताम्बर लोहुमी, खजान लोहुमी, हर्षित लोहुमी, नीरज, वैभव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री पहुंचे बागेश्वर दौरे में

आपदा प्रभावित क्षेत्र पहुंचकर आपदा प्रभावितों का जाना हालचाल

गरुड़, बागेश्वर। अपने एक दिवसीय भ्रमण में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत बागेश्वर जिले के दौरे पर पहुँचे।जहां वे हेलीकॉप्टर से गरुड़ पहुंचे, जहां वे अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के आंदोलन को समर्थन देने पहुँचे जहां उन्होंने गरुड़ में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि धामी सरकार की नाकाम नीतियां प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए घातक हैं।कहा कि मातृ शक्ति के हितों को लेकर सरकार केवल दिखावा कर रही है सरकार कम वेतन पर आंगनबाड़ी कार्यकृतियों से ग्रामीण क्षेत्रो में हर आवश्यक कार्य करवा रही है, उनकी सुध नही ली जा रही है। इस दौरान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विमला कोहली प्रदेश उपाध्यक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पुष्पा देवी, रश्मि देवी, विमला देवी, चंपा खोलिया, बीना कांडपाल, प्रभा देवी, पुष्पा रावत, चेतन मिश्रा, निशा देवी, रश्मि देवी आदि मौजूद रहे। उन्होंने पूर्व सीमए को ज्ञापन भी सौंपा। जिसके बाद1पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से मिले और उनसे हालचाल जाना। जिसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री सीधे आपदा प्रभावित क्षेत्र पौसारी क्षेत्र में आपदा प्रभावितों का हालचाल जानने और वहां का स्थलीय निरीक्षण करने पहुँचे। जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में आपदा प्रबंधन और पुनर्निर्माण कार्यों को लेकर गंभीर सवाल उठाए। प्राथमिक विद्यालय पौसारी में ग्रामीणों के साथ आयोजित बैठक मेंपूर्व सीएम रावत ने कहा कि पिछले छह-सात महीनों में जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं दिखा है और कई आवश्यक कार्य अब भी अधूरे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रयास तो किए गए हैं, लेकिन कमियों के चलते योजनाओं का लाभ प्रभावित क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद प्रभावित गांवों के पुनर्वास और सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे लोगों में निराशा है।कई क्षेत्रों में भूस्खलन और सक्रिय नालों के कारण खतरा अब भी बना हुआ है। ऐसे में जोखिम वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने की आवश्यकता है। रावत ने कहा कि आपदा के बाद राहत कार्य तो शुरू हो जाते हैं, लेकिन दीर्घकालीन पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी हो रही है। केंद्र से धनराशि मिलने के बावजूद छोटे-छोटे कार्य, जैसे स्कूल-कॉलेजों तक सड़क संपर्क, अब तक पूरे नहीं हो पाए हैं।

उन्होंने लापता व्यक्तियों के मामलों में भी प्रशासनिक ढिलाई पर सवाल उठाए। कहा कि समय पर मृत घोषित करने की प्रक्रिया पूरी न होने से परिजनों को मुआवजा और अन्य सहायता नहीं मिल पा रही है, जिससे वे आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं। इस दौरान निरीक्षण में उनके साथ पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण,पूर्व कपकोट नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद बिष्ट, आदि मौजूद रहे।

पीआरडी कर्मियों ने काला फीता बांधकर जताया विरोध

बागेश्वर। दो सूत्रीय मांगों को लेकर पीआरडी जवानों ने दूसरे दिन भी हाथ में काला फीता बांधकर विरोध जताया। वक्ताओं ने समान कार्य का समान वेतन तथा साल में 365 दिन काम देने की मांग दोहराई। कहा कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाती वह चुप नहीं रहेंगे। वही सँगठन से जुड़ा कर्मियों ने जिला प्रभारी मंत्री राम सिंह कैड़ा से मुलाकात की। और अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने मांग की कि सभी पीआरडी जवान कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से मिले दायित्व का निर्वहन करते है, सेवा सुरक्षा के साथ अनुसेवक के अलावा विभागों में कम्प्यूटर कार्य सहित जो भी जिम्मेदारी मिलती है उनका बखूबी निर्वहन करते हैं। उन्होंने सँगठन की दो सूत्रीय मांगों पर सरकार द्वारा जल्द समाधान का आश्वासन मिलने के बाद भी अब तक समाधान नही होने पर नाराजगी जताई। वही कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर संकेतात्मक प्रदर्शन करते हुए काला फीता बांधकर अपनी मांगों को जल्द पूरा किए जाने की मांग उठाई। पीआरडी संघ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र भोटिया के नेतृत्व में कर्मियों ने शनिवार को आक्रोश रैली निकालने का निर्णय लिया है।इस दौरान सचिव रंजना,नीमा,सुंदर लाल,लक्ष्मण कुमार, लछम राम,हरीश प्रसाद, कैलाश आर्य,विपिन बिष्ट, रवींद्र हरड़िया,केशव चन्दोला,आनन्द चिलवाल आदि ने अपना काला फीता बांधकर विरोध जताया।

स्मैक तस्करी पर कोतवाली पुलिस का कड़ा प्रहार

4.22 ग्राम अवैध स्मैक के साथ कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार।

बागेश्वर। उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय स्तर से चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मेहरा ने जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही किये जाने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में जिला मुख्यालय में अवैध में मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु कोतवाल अनिल उपाध्याय ने भी नगर क्षेत्र में युवाओं को नशे के दलदल में धकेलने वाले अवैध नशा तश्करों को तश्करी नही छोड़ने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।इसके लिए अपनी टीम को सतर्कता बरतते हुए नगर में ऐसे तश्करो का खाका तैयार करने, और उन्हें चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई अभियान तेज करने की रणनीति बनाई है।

अभियान के तहत कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक नितिन बहुगुणा गश्त पर थे, चैकिंग के दौरान उन्हें एक युवक संदिग्ध नजर आया। जिसके बाद तलाशी करते हुए अभियुक्त भुवन कुमार पुत्र इन्द्र लाल निवासी नीलेश्वर मन्दिर रोड ठाकुरद्वारा वार्ड के कब्जे से 4.22 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। जिसके बाद युवक को गिरफ्तार किया गया। व अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली बागेश्वर में धारा 08/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक बरामद अवैध स्मैक की अन्तर्राष्टीय बाजार में अनुमानित कीमत एक लाख छब्बीस हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसआई नितिन बहुगुणा,हेड कांस्टेबल पूरन चन्द्र मठपाल, राजेन्द्र सिंह,आदि थे।

नगर पालिका की लापरवाही: लाखों के वाटर फिल्टर बंद, जनता प्यास से परेशान

उत्तरकाशी । नगर क्षेत्र में नगर पालिका की लापरवाही साफ तौर पर सामने आ रही है। एक वर्ष पूर्व नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर में लाखों रुपये की लागत से लगाए गए वाटर फिल्टर अब शोपीस बनकर रह गए हैं। शहर के कई स्थानों पर ये फिल्टर लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। स्थानीय निवासियों के साथ-साथ चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को भी पीने के साफ पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। गढ़वाल मंडल विकास निगम के निकट स्थापित वाटर फिल्टर पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार नगर पालिका को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्यवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए इन वाटर फिल्टरों का समय पर रखरखाव न होना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। वहीं, जब इस मामले में अधिशासी अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनका पक्ष नहीं मिल सका।

पौड़ी में पर्वतीय पत्रकार महासंघ की जिला इकाई का गठन

पंकज रावत जिलाध्यक्ष व अंकित उनियाल बने सचिव।

पौड़ी गढ़वाल। पर्वतीय पत्रकार महासंघ उत्तराखंड द्वारा पौड़ी गढ़वाल में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की जिला इकाई का गठन किया गया। बैठक में चुनाव कर सर्वसम्मति से पंकज रावत को जिलाध्यक्ष और अंकित उनियाल को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश पाठक ने कहा कि पत्रकारों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को दोहराते हुए कहा कि संगठन इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मदन मोहन पाठक ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए विभिन्न जिलों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं और जल्द ही अल्मोड़ा में भी बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूलों की माला पहनकर समान के साथ शपथ दिलवाई गई। इस दौरान जसपाल नेगी, राजेश चमोली, गणेश नेगी, दीपक बर्तवाल, जगत किशोर बर्तवाल, पवन पटवाल सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं अलर्ट मोड में, व्यवस्थाओं को किया गया सुदृढ़

उत्तरकाशी । में आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। श्रद्धालुओं को बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. आर.सी. आर्य ने यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर स्थित विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डामटा, बड़कोट, दोबाटा, खरादी, राणाचट्टी और जानकीचट्टी सहित प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों का दौरा कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का गहन आकलन किया गया। इस दौरान दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति और आपातकालीन तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। डॉ. आर.सी. आर्य ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए सभी चिकित्सा इकाइयों को पूरी तरह तैयार रहने और सेवाओं को निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विशेष रूप से आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए, ताकि यात्रियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। स्वास्थ्य विभाग की इस सक्रियता से यह उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी और यात्रा अधिक सुरक्षित व व्यवस्थित तरीके से संपन्न होगी।

ज्ञान से अधिक शिक्षक का आचरण महत्वपूर्ण: सारस्वत

चमोली। ज्ञान से अधिक शिक्षक का आचरण महत्वपूर्ण होता है, छात्र जितना शिक्षक के शिक्षण द्वारा सीखता है उससे अधिक उसके आचरण द्वारा ग्रहण करता है , शिक्षकों को अपने आचरण की शुद्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए उन्हें शालीन वस्त्रो का प्रयोग करना चाहिए, शिक्षक को न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि समाज के लिए भी आदर्श स्थापित करना चाहिए । यह बात चमोली जनपद के मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने पीएमश्री राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज गोचर की प्रार्थना सभा में कही , मुख्य शिक्षा अधिकारी चमोली आज लगातार पांचवें दिन जनपद के किसी विद्यालय की प्रार्थना सभा में पहुंचे और उसे संबोधित किया उसके बाद विद्यालय के शिक्षकों की संक्षिप्त बैठक ली और शिक्षकों को समयबद्ध होकर अनुशासित तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए , मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय के विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण किया गया जिसमें सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए, शिक्षकों से पुस्तकालय से लगातार पुस्तक लेने , पढ़ने और इसकी आख्या प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, शिक्षकों से नवाचारी शिक्षा पर विशेष बल देने और पढ़ने लिखने की संस्कृति को विकसित करने के लिए कहा गया मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य खड़क सिंह बिष्ट को विद्यालय में बहुभाषी प्रार्थना सभा का सतत आयोजन करने, दीवार पत्रिका का निर्माण करने, विद्यालय में किचन गार्डन स्थापित करने, पुस्तकालय को सशक्त करने और बच्चों के सामूहिक जन्मोत्सव को मनाने के लिए निर्देशित किया गया मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि विद्यालयों में औचक निरीक्षण का यह क्रम लगातार जारी रहेगा और आवश्यक दिशा निर्देशों के अनुपालन को परखने के लिए पुनः विद्यालयों का भ्रमण भी किया जाएगा । मुख्य शिक्षा अधिकारी के साथ निरीक्षण में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्य योगेंद्र सिंह बर्त्वाल और डॉक्टर गजपाल राम राज भी मौजूद रहे ।

गंगोरी-अगोड़ा मोटरमार्ग पर तेज़ होगी रफ्तार, प्रशासन ने दिए त्वरित सुधार के निर्देश

उत्तरकाशी। जिले में लंबे समय से धीमी गति से चल रहे सड़क निर्माण कार्यों को लेकर प्रशासन अब सख्त रुख में नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य और गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने बुधवार देर शाम गंगोरी-गजोली-नौगांव-भंकोली-अगोड़ा मोटरमार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। करीब 26 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की स्थिति को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने पहले ही अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखी थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को सड़क सुधारीकरण कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़क के ढलान (स्लोप) को वैज्ञानिक तरीके से सुधारने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्य केवल अस्थायी समाधान तक सीमित न रहे, बल्कि भविष्य में भी सुरक्षित और टिकाऊ बने, इसका ध्यान रखा जाए। भू-धंसाव और भूस्खलन से प्रभावित स्थानों को चिन्हित कर वहां वायर क्रेट और फ्लड प्रोटेक्शन जैसे सुरक्षात्मक कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि संवेदनशील इलाकों में जोखिम को कम कर मार्ग को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए। विधायक सुरेश चौहान ने भी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बार-बार होने वाले भूस्खलन की समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए और ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी कार्यों की निगरानी अधिकारियों की देखरेख में की जाएगी और संबंधित विभागों को संयुक्त निरीक्षण कर जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस पहल से क्षेत्रवासियों को जल्द बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को, सुलह-समझौते से निपटेंगे विभिन्न मामले

अल्मोड़ा। जनपद के सभी न्यायालयों में आगामी 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनामिका सिंह ने वादकारियों और आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जो भी व्यक्ति अपने मामले का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कराना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि से एक कार्य दिवस पूर्व तक संबंधित न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। लोक अदालत में केवल उन्हीं मामलों को लिया जाता है, जिनका निस्तारण कानूनी रूप से समझौते के आधार पर संभव हो। सचिव ने जानकारी दी कि यदि किसी वाद में कोर्ट फीस जमा की जा चुकी है और उसका निस्तारण लोक अदालत में हो जाता है, तो जमा की गई कोर्ट फीस पूर्ण रूप से वापस कर दी जाती है। लोक अदालत में फौजदारी शमनीय मामले, लेबर और नियोजन विवाद, धन लेनदेन से जुड़े मामले, पति-पत्नी के विवाद (तलाक को छोड़कर), किरायेदारी, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना मुआवजा, बिजली-पानी बिल विवाद, राजस्व व भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले, उपभोक्ता फोरम के वाद और मोटर वाहन अधिनियम के तहत शमनीय चालान जैसे मामलों का निस्तारण किया जा सकता है। इसके अलावा ऐसे प्री-लिटिगेशन मामलों को भी लोक अदालत में सुलझाया जा सकता है, जो अभी न्यायालय में लंबित नहीं हैं, जैसे चेक बाउंस, धन लेनदेन, श्रम विवाद, बिजली-पानी-फोन बिल, भरण-पोषण और अन्य शमनीय दीवानी एवं फौजदारी मामले। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि वे इस व्यवस्था का लाभ उठाकर अपने विवादों का त्वरित और सुलहपूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

श्री गोलज्यू यात्रा-2026 के तहत अल्मोड़ा में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

अल्मोड़ा। हिमालयी संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्यरत अपनी धरोहर न्यास द्वारा आयोजित श्री गोलज्यू यात्रा-2026 के तहत अल्मोड़ा में भव्य शोभायात्रा निकाले जाने की तैयारी शुरू हो गई है। यह यात्रा 19 अप्रैल को चम्पावत स्थित श्री गोलज्यू मंदिर से प्रारंभ हो चुकी है और पूरे प्रदेश में विभिन्न चरणों में आयोजित की जा रही है। यात्रा संयोजक त्रिलोचन जोशी ने बताया कि बीस दिवसीय यात्रा के क्रम में आगामी 3 मई को प्रातः 11 बजे पलटन बाजार स्थित सिद्धबाबा मंदिर से शोभायात्रा का आयोजन प्रस्तावित है। यह शोभायात्रा अल्मोड़ा के मुख्य बाजार क्षेत्र से होकर निकलेगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर 26 अप्रैल को नगर निगम सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक मेयर अजय वर्मा की अध्यक्षता में होगी, जिसमें आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने श्री गोलज्यू के भक्तों, धार्मिक व सामाजिक संगठनों, मातृ शक्ति समूहों, पार्षदों और जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है, ताकि आयोजन को सफल बनाया जा सके।

चारधाम यात्रियों के लिए अनोखी पहल: स्क्रीनिंग सेंटर पर योग से मिलेगा सुकून और ऊर्जा

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा को और अधिक सुखद व स्वास्थ्यप्रद बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक नई पहल की है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हीना स्क्रीनिंग सेंटर में योग केंद्र की शुरुआत की गई है, जहां श्रद्धालु निःशुल्क योग का लाभ उठा सकेंगे। यह पहल केवल सुविधा तक सीमित नहीं, बल्कि यात्रा को एक समग्र अनुभव बनाने की दिशा में कदम है। कठिन पहाड़ी मार्गों पर सफर के दौरान योग, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से यात्रियों को थकान से राहत मिलेगी और वे मानसिक रूप से भी अधिक शांत व सकारात्मक महसूस करेंगे। प्रशासन द्वारा गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के साथ-साथ हीना, दोबाटा और अन्य यात्रा पड़ावों पर स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत किया गया है। यात्रियों के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, ऑक्सीजन की उपलब्धता और आवश्यक दवाइयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य और सुविधा को ध्यान में रखकर की गई है, बल्कि आध्यात्मिक पर्यटन को नई दिशा देने का भी प्रयास है। उम्मीद की जा रही है कि इस तरह के नवाचार चारधाम यात्रा को और अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और यादगार बनाएंगे।

नई ऊर्जा के साथ तैयार उत्तरकाशी पुलिस, प्रशिक्षण पूरा कर मैदान में उतरने को तैयार जवान

उत्तरकाशी। पुलिस बल को नई मजबूती मिलने जा रही है। पुलिस लाइन ज्ञानसू में एक माह का जे.टी.सी. प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले नव नियुक्त आरक्षियों से पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने संवाद कर उनका अनुभव और फीडबैक लिया। संवाद के दौरान प्रशिक्षु आरक्षियों ने प्रशिक्षण के दौरान मिली सीख, चुनौतियों और अपने अनुभव साझा किए। इस पर एसपी ने विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें आगे की सेवा के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। एसपी कमलेश उपाध्याय ने सभी आरक्षियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशिक्षण एक सशक्त, अनुशासित और संवेदनशील पुलिसकर्मी बनने की नींव होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शारीरिक दक्षता, कानून की समझ और जनता से संवाद कौशल जैसी बातें पूरे करियर में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने जवानों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, समर्पण और अनुशासन के साथ करें तथा अपने व्यवहार और कार्यशैली से पुलिस विभाग की गरिमा को और मजबूत बनाएं। साथ ही यह भी अपेक्षा जताई कि सभी आरक्षी जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार और यातायात उपनिरीक्षक लक्ष्मण चुफाल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

पूर्व सैनिकों के सम्मान में नगर निगम ने दी सौगात

सैनिक कल्याण विभाग परिसर में चार लाख की लागत से बनेगा आधुनिक शौचालय

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रूद्रपुर। पूर्व सैनिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग और उनके सम्मान एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सैनिक कल्याण विभाग परिसर में शौचालय निर्माण कार्य का महापौर विकास शर्मा ने पार्षद बीनू और पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर विधिवत शिलान्यास किया। इस परियोजना पर लगभग चार लाख रुपए की लागत आएगी जिससे परिसर मे आने वाले आगंतुकों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2002 से इस परिसर में किसी भी सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था नहीं थी। सैनिक कल्याण कार्यालय में अपनी समस्याओं और कार्यों के लिए आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, उनके परिजनों और अन्य आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। शौचालय की सुविधा न होने के कारण विशेषकर वृद्ध पूर्व सैनिकों और महिलाओं को लंबे समय से

परेशानियों से जूझना पड़ रहा था, जिसका समाधान अब महापौर की पहल पर होने जा रहा है। शिलान्यास कार्यक्रम के उपरांत एक सभा का भी आयोजन किया गया जिसमें महापौर ने पूर्व सैनिकों के साथ सीधा संवाद किया और उनकी अन्य स्थानीय समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने सैनिकों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए और नगर निगम द्वारा शहर में चलाई जा रही विभिन्न विकास योजनाओं की विस्तार से जानकारी साझा की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि हमारे पूर्व सैनिकों ने अपने जीवन का अमूल्य समय कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा और जनमानस की सेवा में समर्पित किया है। देश के इन नायकों का सम्मान करना और उनकी मूलभूत आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम पूर्व सैनिकों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास जारी रखेगा।

महापौर ने आश्वासन दिया कि शहर के विकास में सैनिकों के अनुभव और सुझावों को हमेशा प्राथमिकता दी जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कर्नल चंद्र प्रकाश कोठारी, सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की, कैप्टन धन सिंह कोरंगा, सूबेदार भगवान सिंह, सूबेदार दरबान सिंह, डिप्टी कमांडेंट गोविंद भंडारी, हवलदार मदन पांडे, नायक मान सिंह मेहता, शेखर जोशी, हवलदार तारा सिंह राणा, मान सिंह खडायत, करम सिंह डागी, बिशन सिंह रावत और सहायक सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन सुंदर सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी पूर्व सैनिकों ने नगर निगम की इस पहल का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

शंकर खड़ायत युवाओं की समस्याओं का करेंगे समाधान

राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद के सदस्य का मिला दायित्व

पिथौरागढ़। महाकाली की आवाज संगठन के संयोजक झूलाघाट निवासी शंकर खड़ायत को सरकार ने राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद के सदस्य का दायित्व सौंपा है। शंकर खड़ायत ने सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा उन्हें यह दायित्व दिए जाने पर उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह क्षेत्र के युवाओं की समस्याओं का समाधान करने, उन्हें स्वावलम्बी बनाने, उनके कौशल विकास और उन्हें रोजगार देने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका निवास स्थान भारत नेपाल सीमा से 25 मीटर की दूरी पर है। मोदी जी और धामी जी ने कहा था कि भारत नेपाल तिब्बत सीमा में बसे गांव सीमा के अंतिम गांव नहीं बल्कि प्रथम गांव हैं। मुझ जैसे कार्यकर्ता को यह दायित्व प्रदान करने के लिए मैं उनका

आभारी हूं। युवाओं, महिलाओं और सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों की समस्याओं से मैं वाकिफ हूं।

सीमावर्ती क्षेत्र की जनता को कैसे रोजगार से जोड़ा जाए और कैसे आवश्यक प्रशिक्षण देकर उनके कौशलों का विकास करके उन्हें इस लायक बनाया जाए कि वह अपने पैरों पर खड़े हो सकें, इसके लिए मैं जी जान से कार्य करूंगा। मैं क्षेत्रीय युवक समिति, जिला युवक समिति और युवक मंगल दल में कार्य कर चुका हूं। इसलिए मुझे इस क्षेत्र का अनुभव प्राप्त है। शंकर खड़ायत ने कहा कि सीमावर्ती गांवों के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा और युवाओं, महिलाओं और समस्त जनता के हित के लिए उनके प्रयास जारी रहेंगे? । इधर शंकर खड़ायत की इस उपलब्धि पर बलतड़ी, मजिरकांडा, भटेड़ी, गौरीहाट, झूलाघाट, बिसखोली, बड़ालू, बगड़तोली, कानड़ी समेत क्षेत्र की समस्त जनता ने खुशी जताई है।

नगर निगम कार्यालय पिथौरागढ़ में मेयर कल्पना देवलाल ने भी उन्हें सम्मानित करके शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री राकेश देवलाल, पार्षद सौरभ भंडारी, नगर महामंत्री रोहित सोराड़ी, सचिन धारियाल, शेखर भट्ट आदि उपस्थित थे। विधायक बिशन सिंह चुफाल, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बिरेंद्र बोहरा, प्रदेश मंत्री दीपिका बोहरा, जाग उठा पहाड़ के संयोजक गोपू महर, महेश पाठक गोलू आदि ने भी उन्हें बधाई दी है।

नेस्ले के दूध का सैंपल फेल, कुल 1 लाख 25 हजार का लगा जुर्माना

पिथौरागढ। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य और पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी पर पिथौरागढ़ में जुर्माना लगा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर राजेश शर्मा ने बताया कि 28 सितंबर 2019 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने पिथौरागढ़ जनपद के थल के बिछुल में दुकानों का निरीक्षण किया था। इस दौरान एक जनरल स्टोर से एक मल्टीनेशनल कंपनी के टोंड मिल्क का नमूना जांच के लिए लिया गया। इस सैंपल को रुद्रपुर की राजकीय लैब में जांच के लिए भेजा गया। 15 अक्तूबर 2020 को जांच रिपोर्ट विभाग को प्राप्त हुई। रिपोर्ट में खाद्य पदार्थ अधोमानक यानी निम्न स्तर का पाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में इसका खुलासा हुआ। अपर जिला अधिकारी एडीएम योगेंद्र सिंह की अदालत ने विक्रेता पर 25,000 रुपए, निर्माता और विपणनकर्ता कंपनी पर 50- 50 हजार रुपए (सभी पर कुल 1.25

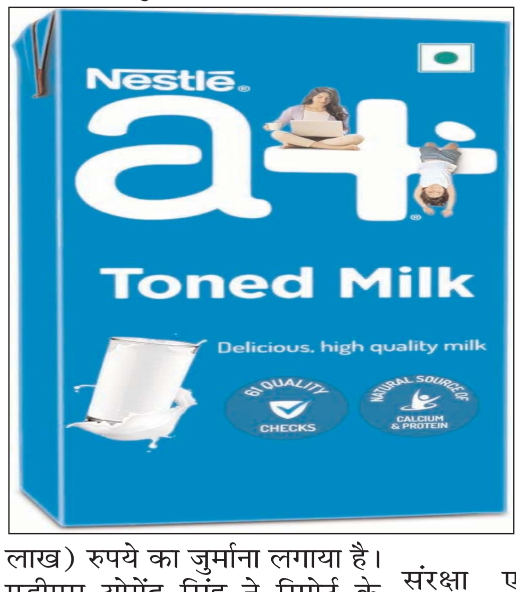

लाख) रुपये का जुर्माना लगाया है। एडीएम योगेंद्र सिंह ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि जांच में दूध का सैंपल फेल मिला।

दूध में फैट की मात्रा मानकों से कम पाई गई। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र सिंह कठायत ने विक्रेता बिछुल निवासी और निर्माता बाराखंभा लेन नई दिल्ली और विपणनकर्ता मल्टीनेशनल कम्पनी के खिलाफ न्यायालय में वाद दायर किया था। तब से यह मामला एडीएम न्यायालय में चल रहा था।

इस पर अब फैसला आया है। पिथौरागढ़ खाद्य सुरक्षा विभाग ने थल क्षेत्र से टोंड मिल्क के सैंपल को जांच के लिए रुद्रपुर राजकीय लैब भेजा था। 15 अक्टूबर 2020 को लैब से जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। जांच रिपोर्ट में टोंड मिल्क सब स्टैंडर्ड होने की पुष्टि हुई। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने न्यायालय में वाद दायर किया। 6 साल तक मामले में सुनवाई चलती रही। 22 अप्रैल 2026 को पिथौरागढ़ एडीएम कोर्ट ने दोनों कंपनियों पर 50- 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। एडीएम कोर्ट ने जनरल स्टोर मालिक पर भी 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

जंगल के रास्तों से तय किया स्कूल का सफर, 90प्रतिशत अंकों के साथ विशाखा बनीं स्कूल टॉपर

अल्मोड़ा, (कनक जोशी)। कहते हैं कि सफलता संसाधनों की मोहताज नहीं होती इस कहावत को सच कर दिखाया अल्मोड़ा जिले के हवालबाग ब्लॉक के छोटे से गांव बरसीमी की छात्रा विशाखा जोशी ने। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद विशाखा ने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने विद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विशाखा का विद्यालय उनके गांव से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, जिसे वह रोज़ पैदल तय करती हैं। इस दौरान उन्हें घने जंगलों से होकर गुजरना पड़ता है, जहां कई बार उनका सामना जंगली जानवरों से भी हुआ। बावजूद इसके, उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। विषयवार अंक इस प्रकार रहे,हिंदी - 97,भूगोल - 89,अर्थशास्त्र-94,अंग्रेज़ी - 80,राजनीति विज्ञान - 90, विशाखा की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनकी बेटी की कड़ी मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय में भी उनकी सफलता से हर्ष का माहौल है और अन्य छात्र-छात्राओं के लिए वह प्रेरणा बन गई हैं।

एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई: 10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। उत्तराखण्ड एसटीएफ और सितारगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 10 हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार किया गया है। आरोपी चेतन सिंह बिष्ट (34), निवासी हल्द्वानी, हत्या के प्रयास और लूट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी को देर रात मथुरा रेलवे स्टेशन से उस समय दबोचा गया, जब वह फरार होने की कोशिश में था। जानकारी के मुताबिक फरवरी 2025 में सितारगंज क्षेत्र में एसएच अस्पताल के पास एक परचून की दुकान में लूट के दौरान विरोध करने पर आरोपी ने दुकानदार के सिर पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया था। घटना के बाद से वह लगातार ठिकाने बदलकर उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश में छिपता फिर रहा था। इस मामले में उसके दो साथियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी चेतन बिष्ट पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। एसटीएफ ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत तकनीकी इनपुट और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ नैनीताल जिले में चोरी और लूट के कई मुकदमे दर्ज हैं। वह पहचान बदलकर अलग-अलग स्थानों पर रह रहा था और वारदातों को अंजाम दे रहा था। इस कार्रवाई में एसटीएफ कुमाऊं टीम और कोतवाली सितारगंज पुलिस की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जनरल स्टोर की दुकान पर धावा बोल चोरों ने हजारों का माल उड़ाया

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। बीती रात चोरों ने एक जनरल स्टोर की दुकान पर धावा बोल हजारों की नगदी और माल उड़ा लिया। घटना की जानकारी मिलने पर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा मौके पर पहुंचे। वहीं पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक गली नंबर 3 इंदिरा कॉलोनी निवासी सौरभ देवल पुत्र चंद्रप्रकाश देवल की सब्जी मंडी में सौरभ जनरल स्टोर के नाम से दुकान है बीती रात वह दुकान बंद कर अपने घर चले गए आज प्रातः जब वह अपनी दुकान पर पहुंचे तो देखा उसके तारे टूटे हुए हैं और दुकान में रखा माल गायब है उन्होंने बताया कि मंगलसूत्र जिनकी कीमत 2000 है। हाथ में पहनने वाला चूड़ा जिसकी कीमत 2000 है। गले में पहनने वाली माला जिनकी कीमत लगभग 7000 है व अन्य सामान जिसकी कीमत लगभग 3000 समेत 5000 की नगदी गायब थी। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि शहर में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं और हैरानी की बात तो यह है कि यह सभी चोरी की घटनाएं शहर के मुख्य स्थान पर हो रही हैं ऐसे में पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवार खड़े होते हैंउन्होंने कहा की पुलिस को रात्रि गश्त तेज करनी चाहिए और चोरियों के मामले का खुलासा करना चाहिए। चोरी की घटना से व्यापारियों में आक्रोश है।

श्रद्धालुओं से मनमानी वसूली पर प्रशासन का एक्शन, होटल-ढाबों में चला सघन जांच अभियान

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को राहत देने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। बढ़ती शिकायतों के बीच अब होटलों, ढाबों और फूड शॉप्स पर ओवररेटिंग रोकने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर गठित संयुक्त टीमों ने उपजिलाधिकारी डुंडा देवानंद शर्मा के नेतृत्व में मातली, बड़ेथी, ब्रह्मखाल, डुंडा, धरासू और चिन्यालीसौड़ क्षेत्रों में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कई होटल और ढाबों की जांच कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और दरों का निरीक्षण किया गया।

अभियान के दौरान डुंडा बाजार, नालूपानी, शिवगुफा और धौंतरी बाजार में होटल संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई है कि वे निर्धारित दरों से अधिक कीमत न वसूलें। साथ ही सभी प्रतिष्ठानों को स्पष्ट रूप से रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। जिन स्थानों पर मूल्य सूची नहीं मिली, वहां तत्काल प्रभाव से उसे लगाने को कहा गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता या शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी इस तरह के निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि यात्रियों को पारदर्शी और उचित सेवाएं मिल सकें।

मजबूत इरादों ने थामी स्टेयरिंग, अब खुद अपनी राह बना रही हैं महिलाएँ

सिर्फ सफर नहीं सम्मान की सवारी पिंक ई-रिक्शा बनी महिला सशक्तिकरण की पहचान

चंपावत। जनपद चम्पावत के नायकगोठ क्षेत्र की महिलाएँ, जिनका जीवन कभी घरेलू कार्यों, पशुपालन और खेतिहर मजदूरी तक सीमित था, आज आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल बनकर उभरी हैं। सीमित आय, अनिश्चित रोजगार और सामाजिक बंधनों के बीच इन महिलाओं के लिए आगे बढ़ना आसान नहीं था, लेकिन दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयासों ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी।

इसी परिवर्तन की शुरुआत हुई जब क्षेत्र की 10 महिलाओं ने एकजुट होकर 'प्रेरणा स्वयं सहायता समूह' का गठन किया। श्रीमती रामबेटी के नेतृत्व में समूह ने पारंपरिक कार्यों से आगे बढ़कर कुछ नया करने का संकल्प लिया। इसी दौरान उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति द्वारा संचालित तथा अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि से वित्त पोषित 'ग्रामोत्थान परियोजना' ने इन महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।परियोजना के मार्गदर्शन और सहयोग से समूह ने 'पिंक ई-रिक्शा' सेवा शुरू करने का अभिनव विचार प्रस्तुत किया, जिसे न केवल स्वीकृति मिली बल्कि तकनीकी और आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हुआ। इस योजना के तहत 10 लाख रुपये की परियोजना तैयार की गई, जिसमें 60 प्रतिशत (6 लाख रुपये) अनुदान के रूप में उपलब्ध कराए गए, जबकि शेष राशि बैंक ऋण और समूह के अंशदान से जुटाई गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं इन महिला उद्यमियों को ई-रिक्शा की चाबियाँ सौंपकर उनका उत्साहवर्धन किया। टनकपुर के मुख्य बाजार, बैराज क्षेत्र और रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थानों पर दौड़ते ये पिंक ई-रिक्शा केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के सशक्त प्रतीक बन चुके हैं। सुरक्षित, सौम्य और भरोसेमंद सेवा के चलते इन महिलाओं ने अल्प समय में ही स्थानीय नागरिकों का विश्वास जीत लिया है। महज छह महीनों के भीतर इस पहल ने सामाजिक और आर्थिक स्तर पर उल्लेखनीय बदलाव लाए हैं। समूह की प्रत्येक महिला सदस्य आज लगभग 10,000 रुपये प्रतिमाह की नियमित आय अर्जित कर रही है। इससे न केवल उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे बैंक ऋण की किश्तें भी समय पर चुका रही हैं।

पद्म पुरस्कार 2027 हेतु नामांकन प्रक्रिया प्रारंभः योग्य व्यक्तियों के नाम प्रस्तावित करने की अपील

चंपावत। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं, जो कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं लोक प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों के लिए प्रत्येक योग्य नागरिक नामांकन के लिए पात्र है।

हालांकि, डॉक्टरों एवं वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी कर्मचारी (पीएसयू में कार्यरत सहित) सामान्यतः पात्र नहीं होते हैं। इस हेतु कोई भी योग्य व्यक्ति नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल awards.gov.in पर आवेदन कर सकता है। नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जिसके पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।उन्होंने आगे बताया कि सामान्यतः पद्म पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान नहीं किए जाते, किन्तु विशेष परिस्थितियों में यदि किसी अत्यंत योग्य व्यक्ति का निधन हाल ही में (एक वर्ष के भीतर) हुआ हो, तो ऐसे मामलों पर विचार किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यदि किसी व्यक्ति को पूर्व में पद्म पुरस्कार प्राप्त हो चुका है, तो उसे उच्च श्रेणी का पुरस्कार प्रदान करने हेतु कम से कम 5 वर्ष का अंतराल आवश्यक है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने विशेष रूप से जनपदवासियों, सामाजिक संगठनों एवं संबंधित विभागों से अपील करते हुए कहा कि समाज में अनेक ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, जो निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, लेकिन प्रचार-प्रसार से दूर रहने के कारण उनकी पहचान सामने नहीं आ पाती। ऐसे 'अनसंग हीरोज', महिलाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांगजन एवं समाज के वंचित वर्गों से जुड़े उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके नामांकन सुनिश्चित किए जाएं, ताकि उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर उचित सम्मान मिल सके।

धारे-नौलों के संरक्षण की पहल जनसहभागिता से होगा कायाकल्पः डीएम

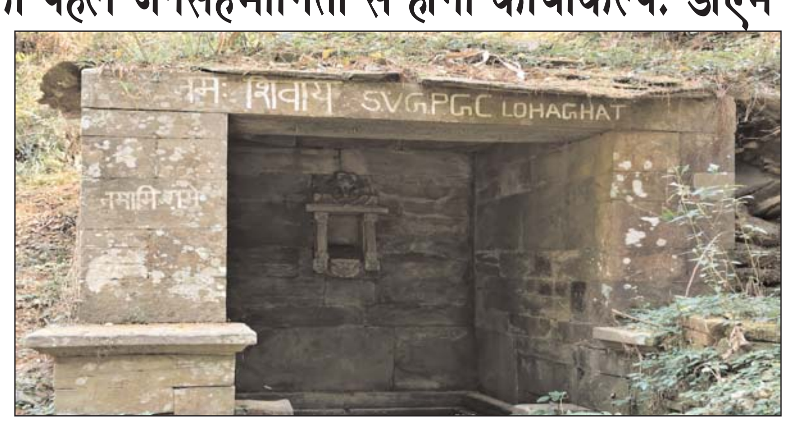

चंपावत। जनपद में ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व से जुड़े पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन की दिशा में उत्तराखण्ड शासन की मंशा अनुसार अब जनपद के प्राचीन धारे-नौलों का सुनियोजित कायाकल्प किया जाएगा। स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) के माध्यम से राज्य में प्राकृतिक जल स्रोतों एवं वर्षा आधारित नदियों के पुनर्जीवीकरण हेतु संचालित अभियान के तहत इन पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य केवल संरचनात्मक जीर्णोद्धार तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके कैचमेंट एरिया के वैज्ञानिक उपचार के माध्यम से जल स्रोतों की सततता और जल स्तर की स्थिरता सुनिश्चित करना भी है।जिलाधिकारी मनीष कुमार ने अवगत कराया कि मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में जनपद के ऐसे धारे-नौलों की पहचान एवं सूची तैयार की जा रही है, जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पौराणिक महत्व विशेष रहा है।

चयनित स्थलों के लिए चालू वित्तीय वर्ष में विस्तृत उपचार कार्ययोजना (कैचमेंट एरिया ट्रीटमेंट प्लान) तैयार कर चरणबद्ध रूप से पुनर्निर्माण एवं संरक्षण कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल न केवल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करेगी, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए शुद्ध पेयजल के स्थायी स्रोत भी सुनिश्चित करेगी।इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी ने जनपदवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासी अपने क्षेत्र के ऐसे उपेक्षित या क्षतिग्रस्त धारे-नौलों की जानकारी एवं सुझाव प्रशासन के साथ साझा करें, जिनका संरक्षण आवश्यक है। प्राप्त सुझावों के आधार पर जनपद के पाँच सर्वाधिक प्राथमिकता वाले अति-महत्वपूर्ण धारे-नौलों का चयन किया जाएगा।

देवदार वनों की रक्षा हेतु पहल लोहाघाट में वन क्षेत्रों के पास कूड़ेदान स्थापित

लोहाघाट। प्राकृतिक सुंदरता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा वनों को कूड़ेदान बनने से रोकने की दिशा में जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार के निर्देशों के अनुपालन में जिला पंचायत चम्पावत द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। इसके अंतर्गत देवदार वनी लोहाघाट स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर एवं उससे सटे वन क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से कूड़ेदानों की स्थापना की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों एवं राहगीरों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बहुमूल्य वन संपदा को प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना है। साथ ही लोगों को कूड़े के उचित निस्तारण के लिए प्रेरित करते हुए वन क्षेत्रों को प्रदूषण से मुक्त बनाए रखने हेतु व्यापक स्तर पर जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है।अपर मुख्य अधिकारी कमलेश बिष्ट ने बताया कि वन क्षेत्रों के आसपास बढ़ता कूड़ा एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती है। कई बार लोग अनजाने में वन भूमि में कचरा फेंक देते हैं, जिससे मिट्टी, जल स्रोत एवं वन्यजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी के समाधान हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार के मार्गदर्शन में जिला पंचायत ने शिक्षण संस्थानों एवं वन सीमाओं के आसपास सुदृढ़ स्वच्छता तंत्र विकसित करते हुए लोहाघाट डिग्री कॉलेज परिसर में कूड़ेदान स्थापित किए हैं, ताकि कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित हो सके।उन्होंने नागरिकों एवं विद्यार्थियों से कूड़ेदानों का नियमित उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में सभी की भागीदारी आवश्यक है।

युद्ध का असर कोलतार हुआ महंगा बालिक पंचेश्वर सड़क में रुका हॉट मिक्स कार्य

लोहाघाट। मिडिल ईस्ट में चल रहे अमेरिका ईरान युद्ध का असर अब देश में भी नजर आ रहा है। तो वही अब युद्ध की मार चंपावत जिले में चल रहे विकास कार्यों में पढ़ने लगी है। जिसका सबसे ज्यादा असर जिले में सड़कों में चल रहे डामरीकरण कार्य में पड़ा है। लोक निर्माण विभाग लोहाघाट के अधिशासी अभियंता हितेश कांडपाल ने बताया कोलतार महंगा व उपलब्धता कम होने के कारण वालिक से पंचेश्वर सड़क में चल रहे हॉट मिक्स कार्य को रोकना पड़ा है तथा कई कार्यों में टेंडर नहीं लग पा रहे हैं। तथा इसके अलावा पीएमजीएसवाई की सड़को में भी काफी असर पड़ चुका है। कहा जैसे ही हालात सामान्य आते हैं हॉट मिक्स कार्य शुरू कर दिया जाएगा। कुल मिलाकर युद्ध के असर से जहां ईधन व गैस में लोगों को समस्याओ का सामना करना पड़ रहा था तो वही निर्माण कार्य में भी दिक्कते सामने आने लगी है।

पिथौरागढ़ से भटक कर लोहाघाट पहुंचे बुजुर्ग के लिए देवदूत बनी पुलिस व समाजसेवी रीता गहतोड़ी

लोहाघाट। घर में बिना बताए रोडवेज बस में बैठकर लोहाघाट पहुंच गए। घर में बुजुर्ग को न पाकर परिजन घबरा गए परिजनों के द्वारा बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी गई। इस दौरान बुजुर्ग के परिवार की एक महिला के द्वारा लोहाघाट मे तीलू रौतेली पुरस्कार विजेता व सामाजिक कार्यकर्ता रीता गहतोड़ी को घटना की जानकारी दी। इसके बाद रीता गहतोड़ी के द्वारा। एसपी चंपावत के साथ-साथ सीओ चंपावत को मामले की जानकारी दी गई। मामले का सीओ चंपावत ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तत्काल बुजुर्ग की तलाश करने के निर्देश दिए। इस दौरान रीता गहतोड़ी के द्वारा भी बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस के द्वारा वाहनों की चेकिंग के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरो की जांच व बुजुर्ग के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की गई। लोहाघाट में थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में चीता पुलिस तथा 112 टीम बुजुर्ग को ढूंढने में जुट गई। इस दौरान टीम के द्वारा नगर के सीसीटीवी कैमरे खगालें गये। पुलिस की 3 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आखिर पुलिस ने बुजुर्ग को लोहाघाट के रामलीला मैदान में सकुशल ढूंढ लिया। सूचना पर बुजुर्ग पूर्व सैनिक की बेटी लक्ष्मी मेहता लोहाघाट पहुंची तथा अपने पिता को सकुशल पाकर खुशी जताते हुए समाज सेवी रीता गहतोड़ी व पुलिस कर्मियों को धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कहा इन्हीं लोगों की वजह से आज उनके पिता उन्हें सकुशल वापस मिले हैं। बताया उनके पिता कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं। मामले में समाजसेवी रीता गहतोड़ी के साथ-साथ चीता टीम के हेड कांस्टेबल प्रकाश सिंह ,कांस्टेबल कुलदीप सिंह ,हेड कांस्टेबल दयाल सिंह ,कांस्टेबल राजेंद्र गिरी के द्वारा बेहद सराहनीय भूमिका निभाई गई। पुलिस की बेहतर कार्य प्रणाली पर लोगों ने लोहाघाट पुलिस और रीता गहतोड़ी के द्वारा किए गए कार्य की सराहना की गई। वहीं बुजुर्ग भी पुलिस व रीता को नम आंखों से धन्यवाद व आशीर्वाद देते नजर आए।

पत्रकार दिनेश भट्ट के पिता के निधन पर डीएम ने की शोक संवेदना की व्यक्त

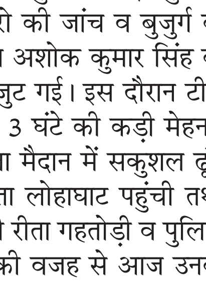

चंपावत। पत्रकार दिनेश भट्ट के पिता के निधन पर डीएम मनीष कुमार ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह 10.30 बजे के आसपास पत्रकार दिनेश भट्ट के पिता उदय भट्ट भट्ट (79) पुत्र बेनीराम भट्ट की अचानक तबियत बिगड़ने से मौत हो गई। उनकी मौत पर जिला पत्रकार संगठन के साथ ही जिलेभर के पत्रकारों और डीएम मनीष कुमार ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। डीएम मनीष कुमार ने पत्रकार दिनेश भट्ट को फोन कर गहरा दुख व्यक्त करते हुए हर संभव का भरोसा दिया है। अचानक उनके जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक अपने पीछे अपना भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सीएम धामी की पहल जिला चिकित्सालयों को मिले अत्याधुनिक लेंसमीटर

चंपावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की 'आदर्श चम्पावत' की परिकल्पना को साकार करने तथा जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री धामी के मार्गदर्शन एवं निर्देशों के क्रम में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत जिला चिकित्सालय चम्पावत एवं उप जिला चिकित्सालय टनकपुर को नेत्र परीक्षण हेतु अत्याधुनिक लेंसमीटर उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल से जनपद के नागरिकों को अब अपने ही क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र जांच सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी, जिससे उन्हें दूरस्थ स्थानों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि लेंसमीटर जैसे उन्नत उपकरण की उपलब्धता से अब चश्मों के लेंस की पावर, गुणवत्ता एवं सटीकता की जांच स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इस आधुनिक तकनीक से नेत्र परीक्षण सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी और दृष्टिदोष से संबंधित जांचें अधिक सुगमता एवं सटीकता के साथ संपन्न की जा सकेंगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जिन्हें बेहतर नेत्र उपचार के लिए अब तक अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने एनएचपीसी लिमिटेड के इस सहयोग को जनहित में एक सराहनीय पहल बताते हुए आभार भी व्यक्त किया।

वन आच्छादन बढ़ाने और भूमि क्षरण नियंत्रण पर मंथन, धसपड़ में पायलट परियोजना शुरू होगी

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में वन एवं वृक्ष आच्छादन बढ़ाने, भूमि क्षरण नियंत्रण और आजीविका संवर्धन को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत-जर्मन तकनीकी सहयोग परियोजना रिकैप फोर एनडीसी के तहत संभावित विकास कार्यों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में जिला समन्वय समिति के सदस्य, विषय विशेषज्ञों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने योजना के तकनीकी, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान वन आच्छादन में वृद्धि, भूमि क्षरण की रोकथाम, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए दीर्घकालिक उपायों पर जोर दिया गया। आईयूसीएन द्वारा उत्तराखंड में 30 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है, जिसके तहत अल्मोड़ा में धसपड़, नौगांव और चितई पंत को प्राथमिकता दी गई है। बैठक में जागेश्वर रेंज के धसपड़ गांव में पायलट परियोजना शुरू करने पर सहमति बनी।

जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य वन संरक्षण और वनावरण में वृद्धि करना है तथा स्थानीय लोगों को इसके लाभ से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने ग्राउंड स्तर पर कार्बन प्रोजेक्ट की व्यवहार्यता जांचने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने चयनित क्षेत्रों में आजीविका गतिविधियों की स्पष्ट और व्यावहारिक रूपरेखा तैयार करने तथा कार्यों को परिणाम आधारित बनाने के निर्देश दिए। साथ ही इन कार्यों के प्रभाव का नियमित मूल्यांकन सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि रिकैप फोर एनडीसी एक भारत-जर्मन तकनीकी सहयोग परियोजना है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2029 तक 4 लाख हेक्टेयर से अधिक निम्नीकृत वन क्षेत्रों का पुनर्स्थापन करना है। यह परियोजना वन परिदृश्य पुनर्स्थापन के माध्यम से आजीविका सुधार, जैव विविधता संरक्षण और राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, सिविल सोयम प्रभाग के प्रदीप धौलाखंडी, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए एन तिवारी, परियोजना की राज्य सलाहकार अपर्णा पांडे, आईयूसीएन से दीपिका क्षेत्री सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण बनाम परिसीमन पर सियासत तेज, विधायक मनोज तिवारी का सरकार पर हमला

अल्मोड़ा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर उत्तराखंड की राजनीति में बयानबाज़ी तेज हो गई है। अल्मोड़ा से कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे को जानबूझकर परिसीमन से जोड़कर भ्रम फैलाया जा रहा है। नगर के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में तिवारी ने कहा कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, लेकिन इसे परिसीमन प्रक्रिया से जोड़कर दोबारा लागू करना नियमों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एक ही बात को बार-बार दोहराकर उसे सच साबित करने का प्रयास कर रही है। तिवारी ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस महिलाओं के हित में हर सकारात्मक कदम का समर्थन करती है, लेकिन यह प्रक्रिया संवैधानिक और विधिक नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। उनके अनुसार, महिला आरक्षण का मुद्दा वास्तविकता में परिसीमन से अधिक जुड़ा हुआ है और इसके माध्यम से लोकसभा सीटों के स्वरूप में बदलाव की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर होती तो मौजूदा सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सकता था, इसके लिए परिसीमन का इंतजार आवश्यक नहीं था। विधायक तिवारी ने राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे को भी उठाया और कहा कि यदि सरकार सच में महिलाओं की हितैषी होती, तो अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसी घटनाएं नहीं होतीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे मामलों में दोषियों को बचाने का प्रयास करती रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में बढ़ते महिला अपराधों जैसे अत्याचार, दुष्कर्म, हत्या और छेड़छाड़ को लेकर भी सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। तिवारी ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होता है और अल्मोड़ा विधानसभा सीट महिला के लिए आरक्षित होती है, तो उनके परिवार से कोई भी महिला चुनाव नहीं लड़ेगी। इस अवसर पर महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, पार्षद मधु बिष्ट, चंचल दुर्गापाल, रीना टम्टा, जानकी पांडे, तुलसी देवी, अंजू बिष्ट और वंदना वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुमित फर्त्याल ने बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम, राज्य मेरिट में 25वां स्थान

नैनीताल। उत्तराखंड बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में भारतीय शहीद सैनिक स्कूल के मेधावी छात्र सुमित फर्त्याल ने राज्य की वरीयता सूची में 25वां स्थान प्राप्त कर नैनीताल का मान बढ़ाया है। खास बात यह है कि वे शहर के इंटरमीडिएट कॉलेजों से मुख्य टॉपर सूची में शामिल होने वाले एकमात्र छात्र हैं। मल्लीताल के स्टाफ हाउस निवासी सुमित एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता चंदन फर्त्याल स्थानीय रेस्टोरेंट में कुक हैं, जबकि माता कमला डाक विभाग में आरडी एजेंट के रूप में कार्यरत हैं। तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े सुमित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। सुमित ने बताया कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के केवल सेल्फ स्टडी के बल पर यह सफलता हासिल की। वे सामान्य दिनों में प्रतिदिन लगभग 4 घंटे और परीक्षा के समय 6-7 घंटे पढ़ाई करते थे। उनकी रणनीति एनसीईआरटी के मूल सिद्धांतों को मजबूत करने और पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों का नियमित अभ्यास करने पर आधारित थी। उन्होंने विशेष रूप से फिजिक्स, केमिस्ट्री और गणित जैसे कठिन विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। इससे पहले हाईस्कूल में भी सुमित ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। भविष्य को लेकर सुमित का लक्ष्य मर्चेंट नेवी या रक्षा क्षेत्र में जाकर देश की सेवा करना है।

वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा, विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

अल्मोड़ा। जनपद में सड़क, पेयजल और खेल मैदान सहित विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा को लेकर विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने की। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं है और सभी औपचारिकताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क, पेयजल और खेल मैदान जैसी मूलभूत सुविधाएं आमजन की जरूरतों से सीधे जुड़ी हैं, इसलिए इन परियोजनाओं में वन भूमि से संबंधित बाधाओं को आपसी समन्वय से दूर किया जाना जरूरी है। जिलाधिकारी ने विभागों को वन विभाग के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने और प्रकरणों की प्रगति की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में किसी प्रकार की कमी या आपत्ति है, उन्हें तत्काल दूर कर पुन: प्रस्तुत किया जाए, ताकि स्वीकृति की प्रक्रिया में विलंब न हो सके। उन्होंने कहा कि सभी विभाग सक्रियता और समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे विकास कार्यों को गति मिले और आमजन को शीघ्र लाभ प्राप्त हो। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक में जल संरक्षण और स्वच्छता पर समीक्षा

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद में जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरणीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सिंचाई विभाग और यूकोस्ट विज्ञान केंद्र द्वारा कोसी और रामगंगा नदियों के फ्लड प्लेन जोन पर तैयार रिपोर्टों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के उन्नयन कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की गई। जल संस्थान ने बख स्थित एसटीपी के कार्यों की जानकारी दी, जबकि पेयजल निगम ने पांडेखोला स्थित एसटीपी की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने दोनों एसटीपी के संचालन से जुड़ी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगर क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए शहर की ड्रेनेज प्रणाली की समीक्षा की गई और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत लीगेसी वेस्ट के निस्तारण कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। स्वजल विभाग द्वारा सोक पिट निर्माण की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सोमेश्वर क्षेत्र स्थित कोसी और साई नदी के समीप त्रिवेणी घाट परिसर के संचालन और साफ-सफाई को लेकर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित करने और व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, परियोजना अधिकारी गंगा सुरक्षा समिति रंजीता सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर संगोष्ठी, ग्राम स्वराज और महिला नेतृत्व पर जोर

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर भकूना में पंचायती राज एवं ग्राम स्वराज विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायतों को सशक्त बनाने और महिला नेतृत्व की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का आयोजन लोक प्रबंध विकास संस्था द्वारा किया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी केसर सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं पंचायतों में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पुरुष समाज को महिलाओं का सहयोगी बनना होगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने संस्था द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता जागरूकता पखवाड़े का शुभारंभ भी किया। संस्था संचालक ईश्वर जोशी ने 73वें संविधान संशोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे पंचायतों को संवैधानिक दर्जा मिला है और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। उन्होंने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात कही। कनिष्ठ प्रमुख निर्मल नयाल ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन किए जाने पर ही ग्राम स्वराज की अवधारणा साकार हो सकती है। क्षेत्रीय संसाधन पंचायत की अध्यक्ष पूजा बिष्ट ने भी अपने अनुभव साझा किए। गोष्ठी में सहायक खंड विकास अधिकारी रविंद्र कोहली, ग्राम प्रधान भावना आर्या, प्रियंका सुयाल, पूजा भाकुनी, गिरीश लाल, विनीता आर्या, अंजू देवी, ठाकुर राम, दीपा भाकुनी, उषा बिष्ट, आशा भाकुनी, हेमा भंडारी, ठाकुर सिंह, चंदन सिंह भंडारी, कविता देवी और गायत्री देवी सहित अन्य लोगों ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति भोजक और अशोक भोज ने संयुक्त रूप से किया।

सपनों की उड़ान: सादगी से शिखर तक

बागेश्वर। उत्तराखंड बोर्ड 12वीं परीक्षा 2026 में 98 प्रतिशत अंक लाकर उन्होंने पूरे राज्य में पहला स्थान हासिल किया। बागेश्वर के सैज क्षेत्र की रहने वाली गीतिका, सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, चौरासी की छात्रा हैं। उनका घर भले ही साधारण है, लेकिन उनके सपनों की ऊंचाई असाधारण रही। उनके पिता चंद्रशेखर पंत रोज़ सड़कों पर टैक्सी चलाकर परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हैं, जबकि मां रितिका पंत घर संभालती हैं। दादा-दादी का स्नेह और मार्गदर्शन भी उनकी सफलता की मजबूत नींव बना। यह सफलता अचानक नहीं आई गीतिका पहले भी हाईस्कूल में 97.6% अंक लाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुकी थीं। लेकिन इस बार उन्होंने खुद को ही पीछे छोड़ दिया। रिजल्ट आते ही उनके घर में खुशियों का सैलाब उमड़ पड़ा। यह सिर्फ एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का पल बन गया। अब उनका सपना है इंजीनियर बनकर देश की सेवा करना। उनका सरल सा मंत्र है , मेहनत और अनुशासन के साथ परिवार का साथ हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। गीतिका की कहानी हमें यह याद दिलाती है कि कठिनाइयाँ रास्ता रोकने नहीं, बल्कि मजबूत बनाने आती हैं।